

Abnormal Psy.

Dr. Sumil K. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jajmagar
L.N.M.U. Barbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper-III
Date - 4-11-20

Psychological Assessment of Psychopathology

Interview

मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन (Psychological assessment) का एक अति उच्चम तरीका नैदानिक साक्षात्कार (Clinical interview) है जिसमें एक आगमै सामने की परिस्थिति में रोगी या क्लाइंट से बातचीत करके विश्लेषण या साक्षात्कारकर्ता एक अनुमान लगाते हैं। विद्वान् सर्व मूर (Bingham and Moore, 1924) ने नैदानिक साक्षात्कार को एक उद्येश्य के साथ किया गया बातचीत (Conversation with a purpose) कहा है। ऐसे साक्षात्कार में साक्षात्कारकर्ता क्लाइंट से समस्या के बारे में बातचीत करते हैं और वे न केवल क्लाइंट कहां कहता है, बल्कि कैसे कहता है उसका तौर-तरीका, आवाज का स्तर, शारीरिक मुद्रा (body posture) तथा नेत्र सम्पर्क की मात्रा आदि के बारे में महत्वपूर्ण सूचना प्राप्त करता है और क्लाइंट की समस्या के बारे में महत्वपूर्ण सूचना इकट्ठा करता है। कोई भी नैदानिक साक्षात्कार को अधिक से अधिक सूझात्मक (informative) होने के लिए यह आवश्यक है कि क्लाइंट साक्षात्कारकर्ता को सहयोग प्रदान करने वाला आत्म-प्रकटीकरण (Self-disclosure) के लिए प्रोत्साहित करने वाला तथा सामाजिक तप के स्वल्प व्याप्ति के तप में महत्वपूर्ण है -

नैदानिक साक्षात्कार की कई कारणों से मूल्यांकन का काफी लोकप्रिय साधन के तप में उपयोग किया जाता है। इनमें से निम्नांकित तीन कारण महत्वपूर्ण हैं -

- (1). नैदानिक साक्षात्कार इन्हीं नैदानिक मनोवैज्ञानिक क्लाइंट के साथ एक ऐसी परिस्थिति में बातचीत करता है जो साधारण सामाजिक केंद्र दिया

का अनुकूल रूप होता है, अतः इसमें एक ही साथ
शाब्दिक तथा अशाब्दिक (nonverbal) दोनों तरह के
व्यवहारों के बारे में खोजा संकलित हो जाता है।

(ii). नैदानिक साक्षात्कार को कहीं भी जहाँ भी संपन्न
किया जा सकता है।

(iii). नैदानिक साक्षात्कार की तुलना में और कोई भी
दूसरी प्रविधि अधिक लचीला (flexible) नहीं है।
नैदानिक साक्षात्कार दो प्रकार के होते हैं -

- (1). अर्र्चित साक्षात्कार (unstructured interview)
 - (2). संरचित साक्षात्कार (structured interview)
- इन दोनों का वर्णन निम्नोक्त है -

Next class